vinetur

तीसरी तिमाही में मुख्यभूमि चीन को ऑस्ट्रेलियाई व्हाइट वाइन का निर्यात 143.6% बढ़ा

ब्रिटेन, अमेरिका और अन्य बाजारों में गिरावट के बीच चीन में ऑस्ट्रेलियाई वाइन की बिक्री को बढ़ावा मिला

शुक्रवार, 13 नवंबर 2026



तीसरी तिमाही में मुख्यभूमि चीन को ऑस्ट्रेलियाई व्हाइट वाइन का निर्यात तेज़ी से बढ़ा। ऐसे समय में जब कई अन्य बाजारों में कुल खेप कमजोर हुई, यह उत्पादकों के लिए वृद्धि का एक दुर्लभ क्षेत्र रहा।

शुक्रवार, 13 नवंबर को जारी Wine Australia के आंकड़ों के अनुसार, 2026 की तीसरी तिमाही में मुख्यभूमि चीन को व्हाइट वाइन की खेप मात्रा के लिहाज से 143.6% बढ़कर 5.26 मिलियन लीटर हो गई। इन निर्यातों का मूल्य 51.9% बढ़कर A $11.87 मिलियन, यानी करीब US $8.14 मिलियन रहा।

व्हाइट वाइन की बढ़त से तिमाही में मुख्यभूमि चीन को ऑस्ट्रेलिया के कुल वाइन निर्यात का मूल्य 1.9% बढ़कर A $166.33 मिलियन, या लगभग US $114 मिलियन हो गया। चीन को निर्यात की मात्रा 14.9% बढ़कर 17.06 मिलियन लीटर रही।

यह प्रदर्शन वैश्विक स्तर पर कमजोर रुझान के बीच खास तौर पर उभरकर सामने आया। आंकड़ों के अनुसार, सभी गंतव्यों

को मिलाकर तिमाही में ऑस्ट्रेलियाई वाइन निर्यात का मूल्य 7.3% गिरकर A $520.57 मिलियन रहा, जबकि मात्रा 4.7% घटकर 148.25 मिलियन लीटर हो गई।

ऑस्ट्रेलिया के मूल्य के लिहाज से दो अन्य सबसे बड़े निर्यात बाजारों में भी यही अंतर साफ दिखा। यूनाइटेड किंगडम को निर्यात 12.6% गिरकर A $81.81 मिलियन रहा और मात्रा 8.7% घटकर 44.5 मिलियन लीटर हो गई। अमेरिका को भेजी गई खेप का मूल्य 12.5% घटकर A $63.7 मिलियन और मात्रा 4.5% गिरकर 29.52 मिलियन लीटर रही।

मूल्य के लिहाज से मुख्यभूमि चीन ऑस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा वाइन निर्यात बाजार बना रहा। हालांकि, मात्रा के आधार पर वह यूनाइटेड किंगडम, अमेरिका और कनाडा के बाद चौथे स्थान पर था। यह अंतर थोक बिक्री के बजाय अधिक कीमत वाली वाइन के लिए चीन की अहमियत को दर्शाता है।

Wine Australia के आंकड़ों के मुताबिक, तिमाही में मुख्यभूमि चीन भेजी गई उन ऑस्ट्रेलियाई वाइनों का निर्यात मूल्य A $137.82 मिलियन रहा, जिनकी फ्री-ऑन-बोर्ड (एफओबी) कीमत कम से कम A $10 प्रति लीटर थी। यह उस मूल्य-श्रेणी में ऑस्ट्रेलिया के कुल वैश्विक निर्यात मूल्य A $233.5 मिलियन का लगभग 59% था।

वाइन उत्पादकों और पेय कारोबार के व्यापक क्षेत्र के लिए ये आंकड़े संकेत देते हैं कि कई स्थापित निर्यात बाजारों में बिक्री दबाव में होने के बीच चीन व्हाइट वाइन के लिए बढ़ता अवसर दे सकता है। अगर यह रुझान बना रहता है, तो निर्यातक रेड और व्हाइट वाइन के पोर्टफोलियो में संतुलन, मार्केटिंग बजट के आवंटन और वृद्धि के लिए लक्षित एशियाई बाजारों पर अपने फैसलों में बदलाव कर सकते हैं।

व्हाइट वाइन में तेज़ बढ़त के बावजूद, मुख्यभूमि चीन के साथ ऑस्ट्रेलिया के कारोबार में रेड वाइन का दबदबा बना रहा। तीसरी तिमाही में इस बाजार को ऑस्ट्रेलियाई वाइन निर्यात के मूल्य में रेड वाइन की हिस्सेदारी 91.62% थी, जबकि व्हाइट वाइन की हिस्सेदारी 7.14% रही। वैश्विक स्तर पर ऑस्ट्रेलियाई निर्यात मूल्य में व्हाइट वाइन की हिस्सेदारी कहीं अधिक, 27.74% थी ; रेड वाइन की हिस्सेदारी 70.38% रही। चीन में व्हाइट वाइन का आधार काफी छोटा होने से विस्तार की गुंजाइश है, हालांकि वहां कारोबार का मुख्य आधार अब भी रेड वाइन ही है।

व्हाइट वाइन की यह बढ़त ऐसे समय आई है जब ऑस्ट्रेलियाई उत्पादक उन चीनी उपभोक्ताओं के बीच अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं जो आयातित वाइन की मांग में परंपरागत रूप से आगे रही श्रेणियों से इतर विकल्प तलाश रहे हैं। Vino Joy News की रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ उपभोक्ताओं ने बरगंडी के विकल्पों में दिलचस्पी दिखाई है, जिनमें प्रीमियम ऑस्ट्रेलियाई Chardonnay भी शामिल है।

ऑस्ट्रेलियाई वाइनों में विशेषज्ञता रखने वाली Shanghai Pran Wines के मुख्य कार्यकारी Hong Boyong ने पहले इस प्रकाशन को बताया था कि चीनी खरीदार ऑस्ट्रेलिया के कई क्षेत्रों की व्हाइट वाइन में अधिक दिलचस्पी ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्राहक अब Hunter Valley Semillon की मांग पहले से अधिक कर रहे हैं। साथ ही, बरगंडी पीने वाले ऐसे लोग भी प्रीमियम Chardonnay पर ध्यान दे रहे हैं जो बेहतर मूल्य और अलग शैली की तलाश में हैं।

स्पार्कलिंग वाइन ने भी छोटे आधार से वृद्धि दर्ज की। तीसरी तिमाही में मुख्यभूमि चीन को इसका निर्यात मूल्य 25.4% बढ़कर A $1.95 मिलियन हो गया, जबकि मात्रा 22.8% बढ़कर 171,818 लीटर रही।

चीन में तीसरी तिमाही का सुधार साल के शुरुआती महीनों के कमजोर प्रदर्शन के बाद आया। 2026 के पहले नौ महीनों में मुख्यभूमि चीन को ऑस्ट्रेलियाई वाइन निर्यात का मूल्य 10.4% घटकर A $758.59 मिलियन रहा, जबकि मात्रा 8.2% बढ़कर 79.31 मिलियन लीटर हो गई। तीसरी तिमाही में मूल्य वृद्धि की वापसी और मात्रा में इससे भी तेज़ बढ़ोतरी यह संकेत दे सकती है कि आयातक अपना भंडार खपा रहे हैं और फिर से स्टॉक भरने को लेकर अधिक इच्छुक हैं। हालांकि, इसे व्यापक सुधार मानने से पहले यह रुझान लगातार बने रहना होगा।

आंकड़ों ने चीन के साथ व्यापार में South Australia की अहमियत भी रेखांकित की। मुख्यभूमि चीन को भेजी गई खेप में

South Australia की वाइन सबसे आगे रही ; तिमाही में इसका निर्यात मूल्य 32% बढ़कर A $106.55 मिलियन हो गया। दूसरे स्थान पर वे वाइन रहीं जिन्हें 'no label claim' के रूप में वर्गीकृत किया गया था, यानी जिन पर क्षेत्रीय मूल का उल्लेख नहीं था। उनका मूल्य A $16.78 मिलियन रहा।

एशिया में ऑस्ट्रेलिया का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। तिमाही के दौरान मूल्य के लिहाज से देश के 10 सबसे बड़े निर्यात बाजारों में से छह एशिया में थे, लेकिन बाजार-दर-बाजार नतीजों में काफी अंतर रहा।

Singapore को निर्यात मूल्य के लिहाज से 16.0% गिरकर A $20.62 मिलियन रहा, जबकि मात्रा 12.0% घटकर 1.32 मिलियन लीटर हो गई। मूल्य के हिसाब से ऑस्ट्रेलिया के सातवें सबसे बड़े बाजार Hong Kong में निर्यात मूल्य 22.5% गिरकर A $15 मिलियन और मात्रा 19.7% घटकर 1.38 मिलियन लीटर रही।

मूल्य के मामले में Thailand का रुझान इसके उलट रहा। वहां निर्यात 26.3% बढ़कर A $14.67 मिलियन हो गया और Hong Kong के आंकड़े के करीब पहुंच गया, जबकि मात्रा 14.1% घटकर 1.47 मिलियन लीटर रही। यह अंतर Thailand को ऑस्ट्रेलियाई खेप में अधिक कीमत वाली वाइनों की ओर बदलाव का संकेत देता है।

Japan में भी गिरावट दर्ज की गई। निर्यात मूल्य 16.8% घटकर A $10.35 मिलियन रहा, जबकि मात्रा 5.0% गिरकर 2.58 मिलियन लीटर हो गई।

इन एशियाई बाजारों में मूल्य के लिहाज से सबसे तेज़ वृद्धि Indonesia में दर्ज की गई। वहां खेप 59.0% बढ़कर A $7.66 मिलियन हुई और मात्रा 44.0% बढ़कर 376,974 लीटर रही।

तिमाही के आंकड़े दिखाते हैं कि मुख्यभूमि चीन मूल्य के लिहाज से ऑस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा वाइन बाजार तो है ही, वह उन कुछ बाजारों में भी शामिल है जहां वैश्विक मांग कमजोर रहने के बावजूद निर्यातकों को तेज़ी से बढ़ती व्हाइट वाइन श्रेणी से सहारा मिला।